रेप पीड़िता के बेटे ने जहर पीकर किया सुसाइड

▸ पुलिस ने नहीं लिखी थी एफआईआर, सड़क पर शव रखकर चक्काजाम

देवास। जिले में रेप पीड़िता के बेटे ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर नहीं लिखने पर जहर पीकर सुसाइड कर लिया। शनिवार को गुस्साए परिजन और ग्रामीणों ने पुंजापुरा-उदयनगर मार्ग पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। मामला उदयनगर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी अनुसार, गांव की महिला से उसी गांव के सुनील मालवीय ने दुष्कर्म किया। शुक्रवार रात पीड़िता के परिजन शिकायत दर्ज कराने उदयनगर थाने पहुंचे थे। पुलिस ने महिला अधिकारी के अभाव का हवाला देते हुए रिपोर्ट दर्ज नहीं की। उन्हें सुबह आने के लिए कहा। थाने से लौटने के बाद पीड़िता का 19 वर्षीय बेटा मानसिक रूप से बेहद आहत हो गया। आरोप है कि उसने गांव लौटकर कीटनाशक पी लिया। परिजन उसे तत्काल इलाज के लिए बागली के सरकारी अस्पताल लेकर जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

शव रखकर चक्काजाम

शनिवार को पोस्टमॉर्टम के बाद जब युवक का शव भीकूपुरा लाया गया, तो परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो उठे। उन्होंने शव को पुंजापुरा-उदयनगर मार्ग पर रखकर चक्काजाम कर दिया। घंटों तक सड़क पर आवागमन पूरी तरह बाधित रहा। प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की गई। प्रदर्शन के दौरान भीड़ उग्र हो गई। आरोप है कि लोगों ने आरोपी की झोपड़ी में आग लगा दी। उसके मकान में तोड़फोड़ की। इसके अलावा पुलिस वाहन पर भी पथराव किया गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। घटना की जानकारी मिलते ही एएसपी यातायात हरनारायण बाथम, बागली एसडीओपी संजय सिंह बैस और उदयनगर थाना प्रभारी सीएल रायकवार सहित पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने आक्रोशित लोगों को समझाइश दी, जिसके बाद चक्काजाम समाप्त कराया गया। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। उनका कहना है कि आरोपी घटना के बाद गांव छोड़कर फरार है।

पुलिस बोली- पीड़िता ने पहले अपने बयान बदले थे

बागली एसडीओपी संजय सिंह बैस ने बताया कि मामले में नाराज परिजनों को समझाकर रास्ता खुलवाया गया है। मौके पर ही शून्य पर प्रकरण दर्ज किया जा रहा है। पीड़िता ने पहले अपने बयान बदले थे, लेकिन अब वह आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराने के लिए तैयार हो गई है। बताया जा रहा है कि आरोपी सुनील का अतिक्रमण ढहाने के आश्वाशन भी दिया है।

माता टेकरी पर 1 लाख भक्तों ने किए दर्शन, तीसरे दिन सुबह से उमड़ी भीड़

देवास। नवरात्र की शुरुआत के साथ ही माता टेकरी पर श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, जहां नवरात्र के तीसरे दिन सुबह से ही बड़ी संख्या में भक्त माता चामुंडा और तुलजा भवानी के दर्शन करने पहुंचे, अब तक करीब 1 लाख श्रद्धालु यहां दर्शन कर चुके हैं और दिन-रात भक्तों का आना जारी है।

नवरात्र के तीसरे दिन शनिवार सुबह से ही माता टेकरी पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। दूर-दूर से आए भक्त माता के दर्शन के लिए टेकरी पर पहुंच रहे हैं। श्रद्धालु छोटी माता मां चामुंडा और बड़ी माता मां तुलजा भवानी के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में पहुंचे। दोनों मंदिरों में भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। नवरात्र के अवसर पर माता चामुंडा और तुलजा भवानी के दरबार को आकर्षक फूलों से सजाया गया है। मंदिर परिसर में विशेष सजावट की गई है। माता टेकरी पर रंग-बिरंगी लाइटिंग की गई है, जिससे पूरा क्षेत्र आकर्षक और भव्य नजर आ रहा है, खासकर रात के समय यहां का दृश्य और भी मनमोहक हो जाता है।

अब तक 1 लाख श्रद्धालु कर चुके दर्शन

नवरात्र शुरू होने के बाद से अब तक करीब 1 लाख भक्त माता टेकरी पर दर्शन कर चुके हैं। हर दिन यह संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। कई श्रद्धालु सुबह होने वाली माता की आरती में शामिल हुए। आरती के दौरान पूरे परिसर में भक्तिमय माहौल बना रहा।

एक नजर में

बाबा श्याम कीर्तन में उमड़ा जनसैलाब

भौरासा। भौरासा नगर के बस स्टैंड पर चेत्र कृष्ण पक्ष हिंदू नव वर्ष की शुरुआत के साथ श्री खाटू श्याम जी की आलोकिक भजन संध्या श्याम प्रेमियों के द्वारा भौंरासा नगर के बस स्टैंड पर श्री श्याम महा कीर्तन का आयोजन रखा गया था जिसमें भव्य दरबार, 56 भोग, पुष्प वर्षा, आलौकिक श्रृंगार व इत्र केसर की वर्षा की गई कार्यक्रम मे प्रसिद्ध भजन गायक कान्हा व्यास (ग्वालियर) ,ऋषिका ठाकुर (ग्वालियर,) एव अमित पारीक (मक्सी) के द्वारा श्री श्याम भगवान के भजनों की प्रस्तुति दी गई जिसमें नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से सैकड़ो की संख्या में महिला पुरुष और बच्चे पहुंचे एवं कीर्तन का लाभ लिया कार्यक्रम का आयोजन भौरासा श्याम परिवार के द्वारा किया गया था।

शिक्षा के क्षेत्र में प्रथम रहा वंश

टोंक खुर्द। वंश सेंधव पिता लोकेंद्रसिंह सेंधव ग्राम अमोना टोंकखुर्द ने नवोदय विद्यालय चयन में 95 अंक लाकर जिले में 2ठ्ठस्र ह्म्ड्डठ्ठद्म हासिल की ओर बालक वर्ग मे प्रथम स्थान प्राप्त किया,इस उपलब्धि पर शिक्षक अनार सिंह ठाकुर,आनंद सिंह झाला, शैलेश राठौर,हिमरतसिंह तोमर,जितेंद्र सेंधव अनिल दांगी,जितेंद्र भाटी, पटेल महेन्द्रसिंह भाटी,बलदेव सिंह गुर्जर, कमल सिंह टांक,राजभांवर सिंह सेंधव,विजेंद्र ठाकुर,अजाक्स ब्लॉक अध्यक्ष राकेश सोलंकी सहित अनेक मिलने वालों ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की,इस उपलब्धि के पीछे उसके दादाजी हुकमसिंह सेंधव का सहयोग है।

सुभद्रा वर्मा को श्रद्धांजलि दी

टोंक खुर्द। देवास शाजापुर के पूर्व सांसद एवं म,प्र,शासन के पूर्व कैबिनेट मंत्री,व सोनकच्छ विधानसभा के पूर्व विधायक तथा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सज्जनसिंह वर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती सुभद्रा वर्मा का आकस्मिक निधन होने पर संत शिरोमणी भिखारीदास महाराज जनकल्याण सेवा समिति रणायलकला के सदस्यों द्वारा भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित कर परमपिता परमेश्वर से विनीति की की दिवंगत आत्मा कों मोक्ष प्रदान कर उनके श्री चरणों मे स्थान दे एवं वर्मा परिवार पर जो वज्रघात हुआ है उसे सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

साधनों से नहीं, साधना से मिलता है सच्चा सुख

देवास। यह सत्य है कि शाश्वत सुख साधन में नहीं, साधना में है, वासना में नहीं,उपासना में है,भोग में नहीं योग में है। विषय भोगों और भौतिक साधनों से यदि शाश्वत सुख की प्राप्ति हो सकती तो भौतिक सुख साधनों से संपन्न लोग कभी दुखी नहीं होते, हताश निराश नहीं होते, अशांत नहीं होते और साधन विहीन अथवा न्यूनतम भौतिक साधनों में भी संत, फकीर, योगी साधक आदि आनंदित नहीं होते। पर ऐसा है नहीं। जहां प्रचुर भौतिक सुख सुविधाओं के होते हुए भी लोग अशांत और निराश रहते हैं, वहीं भौतिक साधनों के होने या ना होने पर भी, भौतिक साधनों की प्रचुरता या अभाव में भी, संत, फकीर, साधक आदि सदा मस्त, अलमस्त और आनंदित रहते हैं।

श्रद्धा और उल्लास के साथ निकला गणगौर का चल समारोह

लोहारदा। नगर में शनिवार को ब्राह्मण समाज की महिलाओं ने एवं लालखेड़ी, कोटखेड़ा के क्षेत्रों सुहाग पर्व गणगौर के अवसर पर भव्य चल समारोह निकाला। इस दौरान पूरे क्षेत्र में उत्सव और आस्था का माहौल देखने को मिला। महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लेते हुए पारंपरिक वेशभूषा और आभूषणों में सुसज्जित होकर शोभायात्रा में हिस्सा लिया। चल समारोह के दौरान महिलाएं नाचते-गाते हुए लोकगीतों की मधुर धुन पर झूमती नजर आईं, जिससे वातावरण भक्तिमय हो उठा इस अवसर पर सामूहिक गणगौर पूजन समारोह का आयोजन भी किया गया। महिलाओं ने अखंड सुख-सौभाग्य और सुखी दाम्पत्य जीवन की कामना के साथ माता पार्वती के स्वरूप गणगौर और भगवान भोलेनाथ के स्वरूप ईसर का विधिवत पूजन किया।

शाही इमाम को घोड़ी पर बिठाकर निकाला जुलूस

▸ तीन स्थानों पर नमाज अदा हुई

सोनकच्छ। चमन बाजार स्थित ईदगाह में ईद की विशेष नमाज अदा की गई। यहां सुबह 10 बजे नमाज अदा की गई। नमाज के बाद खुतबा फिर दुआ की गई। यहां विशेष नमाज हाफिज मोहम्मद इस्लामुद्दीन ने कराई।

इससे पूर्व सुबह 8 बजे जामा मस्जिद में हाफिज इमरान, सुबह 9 बजे नदी वाली मस्जिद में हाफिज अकरम ने नमाज अदा करवाई। ईदगाह में विशेष नमाज अदा के दौरान देश में अमन-शांति की दुआ मांगी गई। दुआ पश्चात इमाम को घोड़ी पर बिठाकर एक जुलूस निकाला गया। जो कि नगर के प्रमुख मार्ग से होता हुआ हाथीथान में संपन्न हुआ। ईदगाह के सामने एसडीएम प्रिया चंद्रावत, एसडीओपी दीपा मांडवे, तहसीलदार संजय गर्ग, टीआई अजय गुर्जर दलबल के साथ तैनात थे।

राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सॉफ्टटेनिस खिलाड़ियों का सम्मान

देवास। विश्वामित्र अवार्डी सुदेश सांगते ने बताया कि देवास के राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय सॉफ्टटेनिस खिलाड़ियों को देवास शाजापुर के सांसद महेन्द्रसिंह सोलंकी द्वारा निपुण सांगते, जानवी सांगते, राशि सांगते, आदित्य बालोदिया, धर्मेंद्र बालोदिया, हिमांशु शर्मा, रोशनी मुकाती, गगन शर्मा एवं अनुष्का दवंडे को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रतिभावान खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर अपनी स्वेच्छानुदान राशि प्रत्येक खिलाड़ी रू 5000-5000 का चेक वितरण कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सांसद श्री सोलंकी ने कहा कि देवास जिले के जो भी सॉफ्टटेनिस खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम गौरवान्वित करेंगे उन्हें भी स्वेच्छानुदान राशि प्रदत्त कर सम्मानित किया जावेगा।इससे खिलाड़ियों में हर्ष व्याप्त है।

खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर उन्हें, मध्यप्रदेश सॉफ्टटेनिस संघ की अध्यक्ष डॉ आयुषी देशमुख, उपाध्यक्ष डॉ समीरा नईम, संघ के जिलाध्यक्ष महेश चौहान, खेलगुरु राधेश्याम सोलंकी, श्रीकांत उपाध्याय, हेमेन्द्र निगम, कोच गौरव कदम, मनीष जायसवाल, प्रीति पवार, कमल ठाकुर आदि ने शुभकामनाएं दी।

सोलह श्रृंगार में सजी महिलाओं ने भक्ति और उत्साह से मनाया गणगौर

सोनकच्छ। शनिवार को सुहागिन महिलाओं द्वारा गणगौर पर्व पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। महिलाओं और युवतियों ने सोलह श्रृंगार कर ईसर-गणगौर की विधि-विधान से पूजा की।

मारवाड़ी महिला मंडल, महेश्वरी समाज और सोनी समाज की महिलाओं द्वारा गणगौर पर्व धूमधाम से मनाया। महिलाओं और कुंवारी कन्याओं ने सामूहिक रूप से गणगौर का पूजन किया. सुबह से ही महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सजी-धजी सोलह श्रृंगार में नजर आईं और घरों व मंदिरो में पूजा-अर्चना की पूजा स्थल को सुंदर तरीके से सजाया गया और ईसर-गणगौर की प्रतिमाओं को स्थापित कर विधि-विधान से पूजा की गई, जिससे पूरे माहौल में भक्ति और उल्लास का रंग घुल गया। महिलाओं द्वारा शाम को ईसर जी और गणगौर माता का बाना बड़े ही धूमधाम से बैंड़ बाजे के साथ निकाला गया। गौरतलब है कि गणगौर का त्योहार होली के बाद शुरू होकर करीब 16 दिनों तक चलता है, जिसमें हर दिन विशेष पूजा और रीति-रिवाज निभाए जाते हैं. अंतिम दिन गणगौर की विदाई बड़े ही भावुक माहौल में की जाती है. इस दौरान महिलाएं गीत गाते हुए गणगौर को विदा करती हैं और अगले वर्ष आने की कामना करती हैं। गणगौर महिलाओं के जीवन में खुशी, आस्था और सांस्कृतिक जुड़ाव का अनमोल संगम बनकर सामने आता है।

सोलह श्रृंगार संग महिलाओं ने की गणगौर पूजा

इस मौके पर महिलाओं ने सोलह श्रृंगार कर विशेष रूप से पूजा में भाग लिया. पूजा के दौरान ईसर-गणगौर को विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया गया, जिसमें खासतौर पर शक्करपारे और मिठाइयां शामिल थीं. यह पर्व उनके लिए बेहद खास है, क्योंकि इसमें भगवान शिव को ईसर और माता पार्वती को गणगौर के रूप में पूजते हैं. उन्होंने कहा कि इस व्रत से दांपत्य जीवन में प्रेम और विश्वास मजबूत होता है।

राष्ट्रीय अधिवेशन में जैन मिलन देवास शाखा पुरस्कार से सम्मानित

देवास। शाश्वत तीर्थ क्षेत्र श्री सम्मेदशिखर में सम्पन्न भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय अधिवेशन में जैन मिलन देवास एवं महिला मिलन देवास शाखा को सामाजिक कार्यो में सराहनीय योगदान के लिए सम्मानित किया।

जैन मिलन की गतिविधियों, कार्यक्रमो के प्रचार प्रसार में सराहनीय योगदान के लिये राष्ट्रीय सयुंक्त मंत्री अतिवीर डॉ प्रमोद जैन को राष्ट्रीय अध्यक्ष अतिवीर सुरेश जैन, ऋतुराज, राष्ट्रीय विशिष्ट संरक्षक अतिवीर विजय जैन ,एवं अन्य राष्ट्रीय पदाधिकारियों द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। देवास में सम्पन्न हुये प्रथम मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक महोत्सव में सौधर्म इन्द्र के देवास शहर के प्रथम लाभार्थी जैन मिलन देवास के वरिष्ठ सदस्य वीर विनोद जैन, शचि रानी वीरांगना सन्ध्या जैन को विशिष्ट सम्मान दिया गया। जैन मिलन देवास के पूर्व अध्यक्ष वीर आर सी जैन, वीर नवीन जैन, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष वीर कैलाशचन्द जैन बाँझल, महिला मिलन संयोजिका लक्ष्मी जैन को भी सम्मानित किया गया।

हर्षोल्लास और भाईचारे के साथ मनायी ईद

लोहारदा। नगर में ईद का त्योहार बड़े हर्षोल्लास और भाईचारे के साथ मनाया गया। सुबह से ही मुस्लिम समाज के लोगों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। मस्जिदों में नमाज अदा करने के बाद सभी ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और अमन-चैन की दुआ मांगी। इस अवसर पर छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी नए कपड़ों में नजर आए। घरों में सेवइयां, शीर खुरमा और विभिन्न पकवान बनाए गए, जिनका लोगों ने आपस में आदान-प्रदान किया। नगर के विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक सद्भाव की मिसाल भी देखने को मिली, जहां अन्य समुदाय के लोगों ने भी मुस्लिम भाइयों को ईद की बधाई दी.

एक माह रोजे रखने के बाद मनाई मीठी ईद

भौरासा। नगर में मुस्लिम समुदाय द्वारा पवित्र माह रमजान माह में रोजे रखने के बाद शनिवार को सुबह मुस्लिम समाज द्वारा ईद का पर्व हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। सुबह तालिब शाह वाले बाबा की दरगाह से मुस्लिम समाज के द्वारा ईदुल फितर का जुलूस निकाला गया। जुलूस एमजी रोड से नगर स्थित ईदगाह पहुचा ईदगाह पर जामा मस्जिद बड़ा मोहल्ला के पेश इमाम हाफिज आसिफ रजा ने ईद की नमाज अदा कराई। इसी प्रकार नन्हा मोहल्ला मस्जिद के ग्राउंड पर ईद की नमाज काजी अब्दुल वहाब खान के द्वारा ईद की नमाज अदा कराई गई। इमाम आसिफ रजा , काजी अब्दुल वहाब खान ने बताया कि आज ईद का मुकद्दस दिन है इस दिन हमें अल्लाह का शुक्र अदा करना चाहिए गरीबों यतीमो का ख्याल रखना चाहिए और एक दूसरे से मोहब्बत और भाईचारे के साथ जिंदगी गुजार ना चाहिए नमाज के पश्चयात सभी समाजजनों ने वतन और शहर के अमन व खुशहाली के लिये दुआए मागी। ईदगाह पर सभी समाजजनों ने एक दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारक बाद दी। वही ईदगाह पर विभिन्न सामाजिक व राजनीतिक संगठन सदस्यो द्वारा मुस्लिम भाइयों से गले मिलकर ईद की बधाईया दी। तहसीलदार भौरासा थाना प्रभारी अनिता सिंह अपने दल बल के साथ मौजूद रही वही दोनों समुदाय के गणमान्य नागरिकों ने की शुभकामनाएं दी।

एक नजर में ▸ 16 दिनों से लगातार की जा रही थी गणगौर माता की पूजा आराधना

अखंड सौभाग्य के लिए महिलाओं ने रखा व्रत, गणगौर का चल समारोह निकला

भोरासा। चैत्र शुक्ल तृतीया तिथि पर गणगौर पर्व मनाने की परंपरा है महिलाए इस पर्व को श्रद्धा पूर्वक मनाती है यूं तो इस त्योहार की शुरुआत होली के दूसरे दिन से हो जाति है और अगले 16 दिनों तक इसे मनाया जाता है चैत्र शुक्ल की तृतीया को इसकी पूर्णता होती है इस दिन शादीशुदा महिलाएं अपने पति की लंबी आयु और सौभाग्य के लिए व्रत रखती हैं तो कई कुंवारी बालिकाए मनचाहे वर की प्राप्ति के लिए यह व्रत रखती है गणगौर तीज को सौभाग्य तृतीया के नाम से भी जाना जाता है रंग और तीज के एक दिन पहले कुवारी और नवविवाहित महिलाएं पूजी हुई गणगोर को नदी तालाब सरोवर में पानी पिलाती है और दूसरे दिन शाम को विसर्जन कर दिया जाता है आज शनिवार को भौरासा नगर समेत संपूर्ण क्षेत्र में गणगौर का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया और माता गणगौर की पूजा की मां पार्वती के रूप में यह पूजा की जा जाती है और भगवान भोलेनाथ को भी ईश्वर के रूप में श्रद्धा और आस्था के साथ याद किया जाता है इस पर्व पर महिलाए अपने पति और परिवार की मंगल कामना करती हैं अच्छे वर के लिए बालिकाओ के द्वारा पूजन किया जाता है नगर मे लगातार यह पूजा की जा रही थी शनिवार को भी पूजन किया गया 16 दिनों से गणगौर माता की पूजा आराधना लगातार की जा रही थी दोहे और मंगल गीत गाए जा रहे थे पिछले 15 दिनों से लगातार नगर मे बाने निकाले जा रहे थे वही माता की पूजा करके मंगल कामना मांगते हुए गीत गाये गए इस त्यौहार को खासतौर से मंदिरों में मिट्टी की गणगौर माता की मूर्ति बनाई गई थी बाद में उन्हे ठंडा किया गया।

राजस्थानी ड्रेस पहनकर हुई शामिल

माहेश्वरी समाज महिला संघ अध्यक्ष श्रीमती प्रेमलता लाहोटी ने बताया कि माहेश्वरी समाज की महिलाएं राजस्थानी ड्रेस पहनकर राजस्थानी वेशभूषा में निकली वही इस वर्ष जिनकी शादी हुई उनके उद्यापन हुए हैं । महेश्वरी धर्मशाला पर यह बाना पहुंचा और यहां पर इस पर्व का समापन हुआ ।